" धर्मसभा (सिनोड) की भावना से प्रेरित कलीसिया के लिए: सम्मिलन, भागीदारी और प्रेरितिक कार्य (मिशन)"

धर्मसभा सचिवालय ने तीन-स्तरीय प्रस्ताव सहित दस मुद्दों का प्रस्ताव रखा है: सुनना, वार्तालाप, भागीदारी।

विषयवस्तुयें हैं: i) यात्रा का साथी ii) सुनना iii) बोलना iv) समारोही अनुष्ठान सम्पन्न करना v) हमारे सार्वजनिक मिशन के लिए जिम्मेदारियों को साझा करना vi) कलीसिया और समाज के बीच वार्तालाप vii) कलीसियाई एकता viii) अधिकार और भागीदारी ix) विवेक और निर्णय लेना x) अपने बीच सामंजस्य लाना और चर्चा के माध्यम से स्वयं को धर्मसभा की आत्मा के अनुसार ढालना।

नवंबर और दिसंबर 2021 और जनवरी 2022 में, इन विषयों और संबंधित प्रश्नों को स्थानीय स्थिति के अनुकूल और भी प्रासंगिक बनाया जाएगा; क्षेत्रीय स्तर पर डीनरी (3-4 पल्लियों का समूह) और हर पल्ली में पैरिश पैस्टोरल दल अर्थात काउन्सिल, असोसियेशन, सेल, स्कूल और धार्मिक समुदाय, सेमिनार और सेमिनरी आदि के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा; ताकि हर कोई इस धर्मसभा प्रक्रिया से जुड़ जाये ।

साझा करने के दो स्तर

1. हम परमेश्वर के लोगों (विश्वासियों) के रूप में एक साथ कैसे यात्रा करते हैं।

2. हम एक मानव परिवार (सभी मनुष्य) या एक वैश्विक परिवार (पर्यावरण) के रूप में भी एक साथ कैसे यात्रा करते हैं।

दस क्षेत्र, दस प्रश्न

i **यात्रा के साथी** - जब हम 'हमारी कलीसिया' का जिक्र करते हैं, तो कौन इसके अंग होते हैं और कौन इसके बाहर होते हैं ?

Ii **सुनना** - हम कैसे और किसकी सुनते हैं? हमारी खास कलीसिया को किसकी "सुनने की आवश्यकता है"? लोकधर्मियों की, खासकर युवाओं और महिलाओं की बात कैसे सुनी जाती है?

iii अपनी बात रखना - हम विचारों के सही आदान प्रदान को कैसे बढ़ावा देते हैं? हम ख्रीस्तीय समुदाय के हिस्से के रूप में कब और कैसे अपना विचार प्रकट करना चाहते हैं?

iv आनन्दपूर्वक समारोही उत्सव पालन करना - कलीसिया के रूप में एक साथ यात्रा करने में पूजन पद्धति हमारी मदद कैसे करती है? हम पूजन पद्धति में सभी विश्वासियों की सक्रिय भागीदारी को कैसे बढ़ावा देते हैं?

v प्रेरिताई के कार्य (मिशन) में जिम्मेदारी - हम कलीसिया में अपनी प्रेरिताई के कार्य को कैसे साझा करते हैं? समुदाय समाज में सेवा के लिए कटिबद्ध अपने सदस्यों का समर्थन कैसे करता है (सामाजिक और राजनीतिक प्रतिबद्धता, वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षण में, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने में, मानवाधिकारों की सुरक्षा में, और सार्वजनिक आवास की देखभाल आदि में)?

vi कलीसिया और समाज के बीच बातचीत - - अन्य धर्मों, ईश्वर में विश्वास नहीं करने वालों, आस-पड़ोस के लोगों के साथ हमारा क्या संबंध है? हम अन्य धर्मों के विश्वासियों के साथ संवाद और प्रतिबद्धता में साझेदारी कैसे करते हैं? हम अपने क्षेत्र में धार्मिक समुदायों के साथ सहयोग को, संघों, आंदोलनों आदि को कैसे बढ़ावा देते हैं?

vii अन्य ईसाई संप्रदायों के साथ - हम अन्य ईसाइयों के साथ अपने संबंधों को कैसे बढ़ा सकते हैं? मुश्किलें क्या हैं?

viii अधिकार और भागीदारी - कलीसिया में अधिकार का प्रयोग कैसे किया जाता है? ऐसी कौन सी प्रथाएँ हैं जो सामूहिक कार्यों और लोकधर्मियों के साथ सह-जिम्मेदारी को बढ़ावा देती हैं?

ix विचार करना और निर्णय लेना - आपकी कलीसिया में समझदारी की प्रक्रिया कैसे की जाती है? यह निर्णय लेने में कैसे मदद करता है? याजकीय वर्ग वाले समुदायों के ढाँचे के भीतर लोकधर्मियों के निर्णय लेने में भागीदारी को कैसे सुधारा जा सकता है? हम पारदर्शिता और जवाबदेही को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं?

x. **धर्मसभा (synod) की भावना के ढाँचे में खुद को ढालना** - हम कलीसिया में लोगों को कैसे तैयार करते हैं, विशेष रूप से उन्हें जो ईसाई समुदाय के भीतर जिम्मेदारी की भूमिका निभाते हैं?

3. पांच क्षेत्र, पांच प्रश्न:

ये पाँच क्षेत्र दस क्षेत्रों के संक्षिप्त रूप हैं -

i **कलीसिया में लोग** - आपके अनुसार कलीसिया कौन हैं? आपको ऐसा क्यों लगता है? क्या लोकधर्मीय कार्यों को प्रोत्साहित किया जाता है और लोकधर्मियों की भागीदारी होती है?

ii **सुनना और अपनी बात रखना** : क्या आपकी कलीसिया में सबकी बात सुनी जाती है? किसकी नहीं सुनी जाती? क्या सभी हिम्मत से और दूसरों को बिना चोट पहुंचाए खुलकर बात कर पाते हैं?

iii. **पूजन पद्धति** : प्रार्थना और धर्मविधि उत्सव वास्तव में हमारे समुदाय में हमारे सामान्य जीवन और प्रेरिताई कार्य को कैसे प्रेरित और मार्गदर्शन करते हैं? वे सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों को कैसे प्रेरित करते हैं? हम पूजन पद्धति में सभी विश्वासियों की सक्रिय भागीदारी को कैसे बढ़ावा देते हैं?

iv**. साझेदारी का प्रेरिताई कार्य** : आप कलीसिया के प्रेरितिक कार्य (मिशन) में कैसे योगदान करते हैं? कुछ अनुभव साझा करें। आप अन्य धर्मों, संप्रदायों, संस्कृतियों और पर्यावरण के लोगों से कैसे जुड़े हैं?

v. **विवेकपूर्ण कदम और निर्णय**: पल्ली में समझदार और निर्णायक संस्थायें कैसे कार्य करती हैं? क्या सभी की राय सुनी जाती है? क्या आपके पास बेहतर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया के लिए कोई उपकरण और प्रक्रिया है?

4. तीन क्षेत्र, तीन प्रश्न (विषय)

सम्मिलन , भागीदारी और प्रेरितिक कार्य पर। (ये सभी दस क्षेत्रों के संक्षिप्त रूप हैं)

i **सम्मिलन** : आप कलीसिया में एक दूसरे के साथ संगति और सम्पर्क का अनुभव कैसे करते हैं?

ii **भागीदारी**: क्या सभी कलीसिया में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं? युवा? सभी परिवार? वे कहां हैं? हम अन्य धर्मों के लोगों, पर्यावरण देखभाल तथा गरीबों से कैसे जुड़े हैं?

iii. **प्रेरितिक** कार्य (मिशन) : क्या आप अपनी कलीसिया के विशेष प्रेरितिक कार्य को किसी भी तरह से अनुभव और व्यक्त करते हैं? आप ऐसा करने में कहाँ विफल होते हैं?

5. एक मुख्य क्षेत्र, एक मुख्य प्रश्न।

एक कलीसिया के रूप में एक साथ यात्रा करना क्या होता है?

यह "एक साथ यात्रा", जो आज स्थानीय स्तर से वैश्विक स्तर तक पहुँच गई है, कलीसिया को उसे सौंपे गए मिशन के अनुसार सुसमाचार की घोषणा करने की अनुमति कैसे देती है; और धर्मसभा (सिनोड) की आत्मा से प्रेरित कलीसिया के रूप में विकसित होने के लिए पवित्र आत्मा हमें कौन से कदम उठाने के लिए आमंत्रित करता है?

"धर्मसभा से प्रेरित एक कलीसिया, सुसमाचार की घोषणा करते हुए, एक साथ यात्रा:" आज हमारे महाधर्मप्रदेश में 'एक साथ यात्रा' कैसे हो रही है? पवित्र आत्मा हमें “एक साथ यात्रा” करने के लिए कौन-से कदम उठाने का न्यौता देता है?

हम आमंत्रित हैं:

हमारे अनुभवों को याद करने के लिये: यह प्रश्न हमारे स्थानीय कलीसिया के किन अनुभवों की याद दिलाता है?

 इन अनुभवों पर और गहराई से दोबारा विचार करें: वे कौन-सी खुशियाँ लेकर आए? उन्हें किन कठिनाइयों और बाधाओं का सामना करना पड़ा है?

 इनसे हमें क्या अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई है?

बांटने के लिए फल इकट्ठा कीजिये: इस यात्रा की ताकत और दोषों को पहचानिये।

अपनी कलीसिया के लिए नए उपायों का प्रस्ताव रखिये ताकि सब को एक साथ यात्रा करने में मदद मिल सके ।

.....